E-Lesson- 6 Class - VII 1

Sanskrit - 11 May 2020

पाठ - ५ जन्तुशालायाः विहारः
(चिड़ियाघर की सैर)

इस पाठ में आप 'लङ् लकार' उत्तम पुरुष के धातु रूप पढ़ेंगे। उत्तम पुरुष के कर्तापद अहम्, आवाम्, वयम् होते हैं। उत्तम पुरुष के कर्ता का प्रयोग भी दोनों लिंगों के लिए किया जाता है। 'लङ् लकार' मध्यम पुरुष के रूप इस प्रकार है -

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
अपठम्	अपठाव	अपठाम
↓	↓	↓
संज्ञा पद ⇒ अहम् (मैंने पढ़ा)	आवाम् (हम दोनों ने पढ़ा)	वयम् (हम सब ने पढ़ा)

उत्तमः पुरुषः (उत्तम पुरुष) पाठ का अर्थ

अहम् उद्याने अक्रीडम्। आवां विमानेन आगच्छाव। वयं विश्रामगृहे अवसाम।
मैं बाग में खेला। हम दोनों हवाईजहाज से गए। हम सब विश्रामघर में रहे।

अहम् कार्यम् अकरवम्। आवां मार्जनम् अकुर्व। वयं गृहकार्यम् अकुर्म।
मैंने काम किया। हम दोनों ने सफाई की। हम सब ने गृहकार्य किया।

अहं तीव्रम् अधावम्। आवां गृहम् आगच्छाव। वयं मार्गे अवकरं न अक्षिपाम।
मैं तेज भागा। हम दोनों घर आए। हम सब ने रास्ते में कूड़ा नहीं फेंका।

अहं रुग्णा आसम्। आवां योग्यौ छात्रौ आस्व। वयं प्रसन्नाः आस्म।
मैं बीमार थी। हम दोनों योग्य छात्र थे। हम सब खुश थे।

जन्तुशालाया: विहार:
(चिड़ियाघर की सैर)

गतरविवासरे अहं परिवारेण सह जन्तुशालाम् अगच्छम्। इयं दिल्लीनगरे स्थिता अस्ति। अस्या: समीपे एव प्राचीनदुर्गम् अपि अस्ति।

पिछले रविवार को मैं परिवार के साथ चिड़ियाघर गई थी। यह दिल्लीनगर में स्थित है। इसके पास ही प्राचीन किला भी है।

अहं मम भगिनी गुंजन: च प्रसन्नौ आस्व। वयं प्रात:काले एव मैट्रोरेलयानेन तत्र अगच्छाम। तत्र वयं सिंहं, व्याघ्रं, भल्लूकं, लोमशम् गजम् च अपश्याम। तत्र तु वर्तका:, उष्ट्रपक्षिण:, मयूरा:, शुका:, चटका: चापि आसन्। वयं तत्र विविधान् पशून् खगान् च अपश्याम अभ्रमाम च।

मैं और मेरी बहन् गुंजन खुश थे। हम सब सुबह ही मैट्रोरेल से वहाँ चले गए। वहाँ हमने शेर, चीता, भालू, लोमड़ी और हाथी देखे। वहाँ तु बतखें, शुतुरमुर्ग, मोर, तोते और चिड़िया भी थीं। हम सब ने वहाँ अनेक पशुओं और पक्षियों को देखा और घूमे।

अहं गुंजन: च हरितक्षेत्रे कन्दुकेन सह अक्रीडाव अधावाव च। वयं सर्वे आनन्दम् अन्वभवाव। श्रान्ता: वयं सायं गृहं प्रत्यागच्छाम।

मैं और गुंजन हरे मैदान में गेंद से खेले और भागे। हम सब ने आनन्द अनुभव किया। थके हुए हम सब शाम को घर लौट आए।

—x——x

अभ्यास :

प्रश्न 1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनिए।

(क) वयं मार्गे किं न अक्रीणाम?
(i) अवकरम् (ii) पुस्तकम् (iii) फलम्

(ख) जन्तुशाला कुत्र स्थिता अस्ति?
(i) मथुरानगरे (ii) अयोध्यायाम् (iii) दिल्लीनगरे

(ग) वयं जन्तुशालां केन अगच्छाम?
(i) मैट्रोरेलयानेन (ii) कारयानेन (iii) बसयानेन

(घ) आवां कुत्र कन्दुकेन सह अक्रीडाव?
(i) विद्यालये (ii) हरितक्षेत्रे (iii) गृहे

(ङ) वयं कदा गृहं प्रत्यागच्छाम?
(i) प्रातः (ii) सायम् (iii) रात्रौ

प्रश्न 2. पाठ से पाँच पशुओं के नाम चुनकर लिखो।

(i) _____ (iii) _____ (v) _____
(ii) _____ (iv) _____

प्रश्न 3. कोष्ठक में दी गई धातु के भूतकाल में उचित रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) अहं गृहकार्यम् _____ (कृ)
(ख) वयं प्रसन्नाः _____ (अस्)
(ग) आवाम् क्षेत्रे _____ (क्रीड्)
(घ) वयं भोजनम् _____ (पच्)
(ङ) आवां गृहे _____ (स्था)

प्रश्न 4. विशेषण विशेष्य मिलाइए।

	विशेषण	विशेष्य
(क)	प्रसन्नाः	पशून्
(ख)	रुग्णा	वयम्
(ग)	विविधान्	अहम्
(घ)	हरिते	छात्रौ
(ङ)	योग्यौ	क्षेत्रे

Scanned with CamScanner

प्रश्न 5. नीचे लिखे वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए -

(क) मैं जोर से हँसा।

(ख) हम दोनों ने काम किया।

(ग) हम सब तैरे।

(घ) हम दोनों ने बोला।

(ङ) मैंने फूल सूँघा।

प्रश्न 6. मंजूषा की सहायता से उचित कर्तापद की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

मञ्जूषा → (अहं, आवां, वयं, अहं, आवां)

(क) ________ गृहे अतिष्ठाव।

(ख) ________ मञ्चे अनृत्यम्।

(ग) ________ जलपानम् अकुर्म।

(घ) ________ जन्तुशालाम् अगच्छम्।

(ङ) ________ तरणताले अतराव।

—x———x

BBPS